हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 33 | देहरादून, शुक्रवार, 22 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर प्रदेश में आतिशबाजी के साथ मना जश्न 5

मुख्यमंत्री धामी के राज में साइबर धमाका, साइबर ठगों की आ गई शामत, फोड़ दिया अवैध इन्टरनेशनल कॉल सेन्टर

ठगते थे अग्रेजों को,करोड़ों की नकदी और सैकड़ों लैपटॉप-कंप्यूटर सीज

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री,उत्तराखंड

अशोक कुमार, डीजीपी, उत्तराखंड

अजय सिंह, आईपीएस एसएसपी, एसटीएफ, उत्तराखंड

अंकुश मिश्रा, डिप्टी एसपी, साइबर पुलिस, उत्तराखंड

- एसटीएफ और साइबर पुलिस ने किया भंडाफोड़, एसएसपी अजय सिंह और डिप्टी एसपी अंकुश मिश्रा की टीम से कांप उठे साइबर अपराधी
- मुख्यमंत्री धामी और डीजीपी अशोक कुमार ने टीम की पीठ थपथपाई,अब नही बच पाएगा कोई भी साइबर क्रिमिनल
- कुल 1,26,51,500/- की नगदी की गई बरामद
- 245 लैपटाप व 61 कम्पयूटर मय उपकरण को किया गया सीज
- 14 अभियुक्तो गिरफ्तार ,11 अभियुक्तो को धारा 41 सीआरपीसी नोटिस निर्गत
- 300 से ज्यादा कार्यरत लोगों से पूछताछ की गई

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री धाकड़ धामी के अपराध मुक्त प्रदेश की परिकल्पना को साकार करते हुए उत्तराखंड पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है माना जा रहा है अब उत्तराखंड में ये अभी तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है जिससे लगता है अब साइबर अपराधियों की शामत आ गई है,मुख्यमंत्री धामी किसी भी कीमत पर साइबर अपराधियों की कमर तोड़ने को तैयार है इसलिए मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रदेश के निवासियों को साइबर अपराधियो द्वारा जनता से ठगने वालो पर सख्त कार्यवाही पर पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार द्वारा एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह व साइबर पुलिस को प्रभावी कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश सख्ती से लागू करने को कहा गया है । उक्त आदेशो के अनुपालन मे थाना साइबर पुलिस उत्तराखंड द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये लगातार सक्रिय रहकर साइबर अपराधियों के विरुद्ध साईबर ठगी के विभिन्न तरीकों के तंत्र जाल को तोड़ा जा रहा है।

वर्तमान में साइबर ठगों द्वारा आम जनता की मेहनत की कमाई को उडाने के मामले प्रकाश में आ रहे हैं,मामले भी ऐसे जिससे आम आदमी की मेहनत की कमाई को ये ठग सेकंडो में उड़ा देते है,किसी अपने बच्चो की फीस जमा करनी होती है,किसी को अपने बूढ़े मां बाप का इलाज,किसी को भूखे बच्चो का पेट भरना होता है तो किसी को अपनी बेटियो को शादी करनी होती है मगर साइबर ठगो को किसी की किसी भी मजबूरी से कोई लेना देना नही होता, ऐसा ही एक प्रकरण देहरादून शहर क्षेत्र में एस0टी0एफ0 उत्तराखण्ड को प्राप्त हुआ था । जिसके बाद एस0टी0एफ0 उत्तराखण्ड द्वारा साईबर ठगों पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। जिसमें एसटीएफ की पड़ताल में पता चला कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अवैध धन अर्जित करने के लिए फर्जी कॉल सेंटरों का संचालन कर विदेशी नागरिक बनकर विभिन्न तरीकों से आम जनता को ठगा जा रहा है। इसी जांच पड़ताल के दौरान एसटीएफ और साइबर पुलिस को एक ठोस सूचना मिली, उसी सम्बन्ध मे सूचना प्राप्त होने पर मेसर्स ए-टू-जेड सॉल्यूशन,19/2 न्यू रोड निकट एम0के0पी0 चौक ग्रामीण बैंक के सामने एक तीन मन्जिला भवन पर एस0टी0एफ0 उत्तराखण्ड व साईबर पुलिस द्वारा दबिश दी गयी तो सभी के होश उड़ गए वहाँ अवैध रुप से कॉल सेन्टर संचालित किया जा रहा था । जिसमें उच्च शिक्षित और पढ़े लिखे युवक युवतियां मिले जहां से 14 अभियुक्तगणों को गिरफ्तार किया गया। जिस सम्बन्ध में थाना साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन उत्तराखण्ड देहरादून में मु0अ0सं0 17/2022 धारा 420,120 बी भादवि व 66 सी , डी व 75 आईटीएक्ट का अभियोग पंजीकृत कराया गया है।

कैसे करते थे साइबर ठगी,अपराध का तरीका भी जान लीजिये ज़रा

अभियुक्तगणो द्वारा अवैध तरीके से इन्टरनैशनल कॉल सेन्टर चलाते हुये माइक्रोसॉफ्ट आनलाईन सपोटर बन कर फर्जी हैल्पलाईन नम्बर जारी कर विदेशी नागरिको को ड़ायलर सॉफ्टवेयर के माध्यम से ट्रोजन वायरस लैप्टॉप रिपेयरिंग आदि सेवायें देने के एवज में क्यूआर कोड़ के माध्यम से धनराशि प्राप्त कर उनके साथ धोखाधड़ी करना ।

ये हैं गिरफ्तार अभियुक्त

1- मेघा रावत पुत्री विरेन्द्र सिह रावत निवासी निकट आईटी पार्क दोहरण नियर होटल ब्लूयू सफायर थाना रायपुर देहरादून ।
2- विकास गुप्ता पुत्र प्रदीप गुप्ता निवासी सहस्त्रधारा रोड नियर टचवुड स्कूल के सामने थाना राजपुर देहरादून ।
3- दमन भल्ला पुत्र बनवारी लाल भल्ला म0न0 7 जबदी थाना डिवीजन 05लुधियाना पंजाब हाल पता स्रकाप अपार्टमेन्ट फ्लैट न0 103जाखन राजपुर रोड देहरादून।

नोटिस 41 सीआरपीसी

1- राघव गुप्ता पुत्र स्व0 सतीश कुमार गुप्ता निवासी बुरारी नई दिल्ली
2- यसप्रीत सिह पुत्र जसवीर सिह निवासी देहरादून
3- लोकेश गिभगली पुत्र रीवाग्री भनाली निवासी देहरादून
4- करनजीत सिह पुत्र पलविन्दर सिह निवासी देहरादून
5- पुरषोत्तम कुमार पुत्र भावना झा निवासी मधुबनी बिहार
6- देव अरोडा पुत्र संजय अरोडा निवासी देहरादून
7- हर्ष गांगुली पुत्र चन्द्रप्रकाश निवासी देहरादून
8- दृष्यत गुलाटी पुत्र स्व0 मनोज गुलाटी निवासी नई दिल्ली
9-अब्दुल समी पुत्र फरीदुल हैक निवासी देहरादून
10-प्रोफुल मनी पुत्र प्रकाश मनी निवासी देहरादून
11-तरुण अग्रवाल पुत्र राजीव अग्रवाल निवासी देहरादून

प्रकाश में आये अन्य अभियुक्त

1-नितिन गुप्ता दिल्ली
2-उदित गर्ग दिल्ली
3-गर्भित दिल्ली

कड़ी मेहनत मशक्कत और जांच पड़ताल करने के अलावा दबिश को कामयाब बनाने वाली टीम का नेतृत्व धामी सरकार के दबंग एसएसपी अजय सिंह कर रहे थे तो तानाबाना बुनने का काम नौजवान डिप्टी एसपी अंकुश मिश्रा ने किया,मुख्यमंत्री धामी की इच्छा के अनुरूप साइबर ठगो को ठिकाने लगाने वालो में उत्तराखंड पुलिस के जिन जबाज़ो ने सफलता हासिल की उस पुलिस टीम के अधिकारियों में पुलिस उपाधीक्षक जवाहर सिंह ,निरीक्षक देवेन्द्र नबियाल,निरीक्षक पंकज पोखरियाल और निरीक्षक अबुल कलाम अहम रहेइनके अलावा उ0नि0 आशीष गुसाँई, उ0नि0 कुलदीप टम्टा,उ0नि0 राहुल कापड़ी,उ0नि0 विकास रावत ,उ0नि0 उमेश कुमार,उ0नि0 प्रतिभा,हे0का0प्रो0 सुनील भट्ट ,का0 मनोज बेनीवाल ,का0 नरेश चन्द्र ,का0 सन्देश यादव ,का0 कादर खान ,का0 जय सिंह ,का0 अनूप भाटी ,का0 देवेन्द् नेगी

बरामदगी माल का विवरण –

1. नकद धनराशि – 1,26,51,500/- रुपये
2. डेल कम्पनी मय मोनिटर सीपीयू मय सहवर्ती उपकरण – 01 अदद
3. कॉल सेन्टर से लगा हुआ राउटर वाईफाई- मय की बोर्ड मय अन्य सहवर्ती उपकरण- 01 अदद
4. कॉल सेन्टर से प्राप्त जेबरोनिक मोनिटर मय सहवर्ती उपकरण- 01 अदद
5. लेपटॉप डेल कम्पनी मय सहवर्ती उपकरण – 01 अदद
6. उपस्थिति रजिस्टर मय सैलरी रजिस्टर – 02 अदद
7. आईफोन 13प्रो0 मैक्स – 01 अदद (अभियुक्त मेघा से बरामद)
8. आईफोन 13 प्रो0 – 01 अदद (अभियुक्त विकास गुप्ता से बरामद)
9. सैमसंग गैल्कसी एस 20 अल्ट्रा – 01 अदद (अभियुक्त दमन भल्ला से बरामद)
10. एक डेल मौनिटर मय सहवर्ती उपकरण- 01 अदद
11. एक अदद डीवीआर मय सहवर्ती उपकरण – 01 अदद

भवन मे मौके पर सीज सामान का विवरण-

1. 245 लैपटाप
2. 61 कम्पयूटर मय उपकरण

आप भी चेक कर सकते हैं पेट्रोल की क्वालिटी, बस करना होगा ये काम

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जब हम पेट्रोल या डीजल खरीदने के लिए मोटी रकम का भुगतान करते हैं, तो यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि फ्यूल पंप हमें साफ तेल दे रहे हैं या नहीं. वाहनों का प्रदर्शन, माइलेज और वाहन के इंजन की लंबी उम्र उपयोग किए जा रहे फ्यूल की क्वालिटी पर निर्भर करती है. इसलिए, वाहन मालिकों को अपने वाहनों के लिए खरीदे जाने वाले ईंधन की गुणवत्ता की जांच करने के लिए कुछ आसान परीक्षण करने चाहिए.

इस तरह करें टेस्ट : पेट्रोल और डीजल की शुद्धता की जांच करने के लिए कुछ उपकरणों की आवश्यकता होती है, जिन्हें खरीदना कई लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है. इसलिए, यहां आसान तरीका बताने जा रहे हैं, जिसके माध्यम से आप बिना किसी उपकरण के पेट्रोल की गुणवत्ता का परीक्षण कर सकते हैं. टेस्टिंग शुरू करने से पहले सबसे जरूरी है कि फ्यूल पंप पर लगे फ्यूल भरने वाले नोजल नोजल को अच्छी तरह से साफ करें, ताकि गंदगी का कोई निशान न रहे.

इसके बाद नोजल से फिल्टर पेपर पर पेट्रोल की एक बूंद डालें. पेट्रोल दो मिनट के भीतर वाष्पित हो जाना चाहिए और कागज पर कोई दाग नहीं छोड़ना चाहिए. लेकिन, अगर पेट्रोल की यह बूंद फिल्टर पेपर पर एक गहरा रंग छोड़ती है, तो पेट्रोल मिलावटी है. जिस पेट्रोल पंप से आपने फ्यूल खरीदा है, उस पर आगे की कार्रवाई के लिए आप कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट से संपर्क कर सकते हैं.

इनकम टैक्स रिटर्न भरने के हैं कई फायदे : काम की है ये खबर

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साल 2021-22 के लिए आपको 31 जुलाई तक ITR फाइल करना है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें ITR भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है।अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप ITR फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। ITR फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है। इसके अलावा ये वीजा के लिए भी जरूरी होता है। तो पढ़िए न्यूज़ वायरस संवाददाता महविश आपको ITR फाइल करने के फायदों के बारे में बता रही हैं -

लोन मिलने में आसानी

ITR आपकी इनकम का प्रूफ होता है। इसे सभी बैंक और NBFC इनकम प्रूफ के तौर पर स्वीकार करते हैं। अगर आप बैंक लोन के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक कई बार ITR मांगते हैं। अगर आप नियमित तौर पर ITR फाइल करते हैं तो आपको बैंक से आसानी से लोन मिल जाता है। इसके अलावा आप किसी भी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लोन के अलावा दूसरी सेवाएं भी आसानी से हासिल कर सकते हैं।

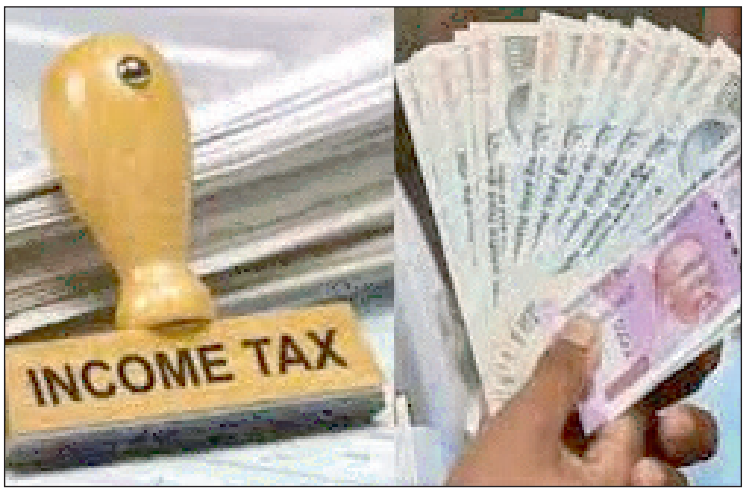

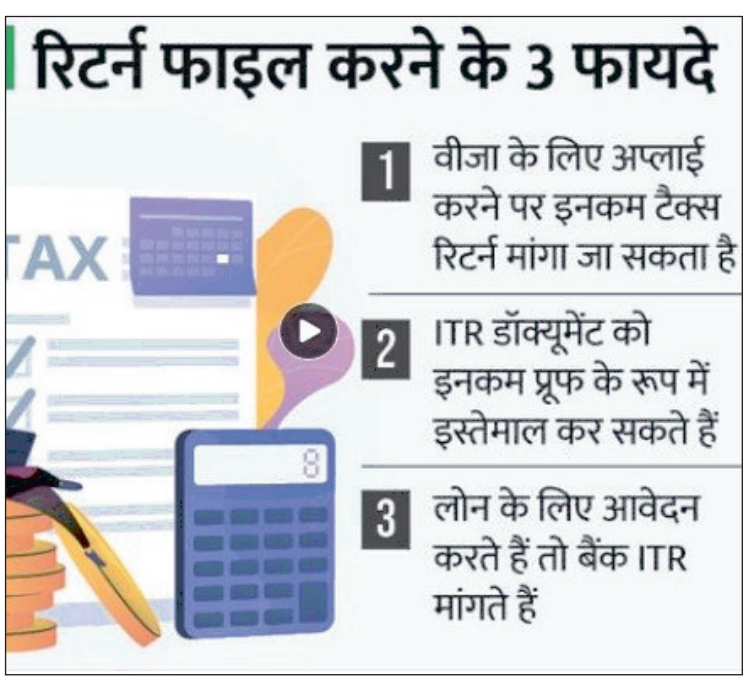

वीजा के लिए जरूरी

अगर आप किसी दूसरे देश में जा रहे हैं तो वीजा के लिए जब आप आवेदन करते हैं तो आपसे इनकम टैक्स रिटर्न मांगा जा सकता है। कई देशों की वीजा अथॉरिटीज वीजा के लिए 3 से 5 साल का ITR मांगते हैं। ITR के जरिए वे चेक करते हैं कि जो आदमी उनके देश में आना चाहता है कि उसका फाइनेंशियल स्टेटस क्या है।

टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए

अगर आपकी आमदनी से टैक्स काटकर सरकार के पास जमा करा दिया गया है तो आप ITR फाइल किए बिना उसे वापस नहीं पा सकते, भले ही आपकी आमदनी इनकम टैक्स में बेसिक एग्जंप्शन लिमिट के अंदर ही हो। आपको अगर टैक्स रिफंड क्लेम करना है तो इसके लिए ITR दाखिल करना जरूरी है। आप जब ITR दाखिल करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका असेस्मेंट करता है। आपका अगर रिफंड बनता है तो वह सीधे बैंक अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाता है।

एड्रेस प्रूफ के रूप में भी आती है काम

ITR रसीद आपके पंजीकृत पते पर भेजी जाती है, जो एड्रेस प्रूफ के रूप में काम कर सकती है। इसके अलावा यह आपके लिए इनकम प्रूफ का भी काम करती है।

पासपोर्ट को हल्के में न लें सुरक्षित रखना ज़िम्मेदारी

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ये खबर काम की है , आपको जानकारी देने और आपके दस्तावेज़ की सुरक्षा के लिए हम ये वास्तविक घटनाएं आपको बता रहे हैं। जिसको पढ़कर आप जान सकेंगे कि पासपोर्ट आपके लिए जितना ज़रूरी है उतना ही कीमती भी है। पहले केस में बात 32 साल के एक इंजीनियर (शादीशुदा) की जो अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने मालदीव गया था। जब वो वापस लौटने लगा तो उसने पासपोर्ट का वो पन्ना फाड़ दिया, जिसमें मालदीव की ट्रैवल हिस्ट्री थी, ताकि उसकी पत्नी को पता न लगे कि वो कहां गया था। एयरपोर्ट पर जब इसकी जानकारी इमिग्रेशन अधिकारियों को मिली तो उन्होंने पुलिस को इन्फॉर्म किया। जिसके बाद पुलिस ने जालसाजी के आरोप में इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया। उसने पुलिस को बताया वो इस बात से अनजान था कि पासपोर्ट को नुकसान पहुंचाना क्राइम है। दूसरा केस- भोपाल में एक तीन साल की बेटी ने अपने पापा के पासपोर्ट पर कुछ लाइन और ड्राइंग बना दी, जिसके बाद पिता को पैनेल्टी के तौर पर 1500 रुपए देने पड़े और तब जाकर नया पासपोर्ट बना। दोनों केस एक तरह से सबक भी है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो दूसरे देशों में नौकरी या मजदूरी करने जाते हैं। कई बार इनका पासपोर्ट डैमेज हो जाता है या कहीं गुम जाता है। ऐसी सिचुएशन में क्या करना चाहिए, आज जरूरत की खबर में जानिए सबकुछ... पासपोर्ट ऑफिसर इस बारे में बताते हैं कि पासपोर्ट रखने वाले सभी लोगों को सलाह दी जाती है कि अगर वीजा या पासपोर्ट ऑफिस के अलावा कोई भी आपके पासपोर्ट पर कुछ भी लिखता है तो उस पासपोर्ट को डैमेज माना जाएगा। ऐसे में ज़रूरी है कि आप पासपोर्ट को सिर्फ विदेश घूमने का जरिया नहीं मानें, यह आपकी पहचान है इसलिए इसे सुरक्षित जगह पर रखें और बच्चों से दूर रखें।

अगर पासपोर्ट पर पासपोर्ट नंबर और आपका नाम पढ़ा जा सकता है, फोटो भी नहीं फटी है, तो तत्काल स्कीम के तहत दोबारा पासपोर्ट इश्यू करने के लिए अप्लाय कर सकते हैं। हालांकि, तत्काल स्कीम में भी पासपोर्ट जारी करने का अंतिम अधिकार पासपोर्ट ऑफिस के पास है। वहीं अगर पासपोर्ट पर आपका नाम, पासपोर्ट नंबर या फोटो डैमेज हो गया है तब आप तत्काल स्कीम के तहत पासपोर्ट री-इश्यू करने के लिए अप्लाई नहीं कर सकते हैं।

देश की नई राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को स्पीकर खंडूरी और मंत्रियों ने दी बधाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम आने के बाद उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भारत की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर द्रौपदी मुर्मू को अपनी एवं प्रदेश की जनता की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने बधाई देते हुए कहा कि द्रौपदी मुर्मू जी ने अपना जीवन समाज की सेवा और गरीबों दलितों के साथ-साथ हाशिए के लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित किया है। उनके पास समृद्ध प्रशासनिक अनुभव है और उनका कार्यकाल उत्कृष्ट रहा है। राष्ट्रपति पद पर वह देश में महिला सशक्तिकरण के लिए एक चमकदार उदाहरण स्थापित करेंगी। संवैधानिक प्रमुख के रूप में, वह देश की सेवा में नया इतिहास रचेंगी।।उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर नयी ऊंचाइयों को छुएगा।

कैबिनेट मंत्री ने दी बधाई - बंटी मिठाई : देश के 15वें राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के रिकॉर्ड मत से जीत दर्ज करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया।इस दौरान मिष्ठान वितरित कर एक दूसरे को बधाई दी गयी।कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू ने सबसे कम उम्र में पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति होने का रिकॉर्ड बनाया है। डॉ अग्रवाल जी ने कहा कि पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति होने से न केवल आदिवासी, बल्कि देश में सभी को गर्व की अनुभूति हुई है। इस मौके पर आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरित किया गया।

महाराज की संवेदनशीलता का कमाल 196 कनिष्ठ अभियंता हुए बहाल

मंत्री सतपाल महाराज ने सीएम धामी का जताया आभार

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज की संवेदनशीलता ने एक बार फिर मायूस चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है। इस बार हम बात कर रहे हैं उन कर्मियों की , जिन्हे हड़ताल के दौरान हटा दिया गया था। लेकिन अब लोक निर्माण विभाग के 196 संविदा कर्मी कनिष्ठ अभियंताओं को पुनः बहाल कर दिया गया है।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज के प्रयासों के बाद विभाग में संविदा पर कार्यरत कुल 304 कनिष्ठ अभियंता (सिविल, प्राविधिक, विद्युत, यांत्रिक) में से 181 हड़ताली और 16 कनिष्ठ अभियंता जो हड़ताल में शामिल नहीं थे ऐसे सभी 196 संविदा कर्मी जिन्हें हड़ताल में शामिल होने के चलते संविदा विस्तार न दे कर सेवा से हटा दिया गया था। लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज के हस्तक्षेप के बाद उन्हें पुनः सेवा में बहाल कर दिया गया है। जबकि शेष 90 संविदा कर्मी कनिष्ठ अभियंताओं की बहाली हेतु प्रकरण वित्त विभाग को स्वीकृति हेतु भेजा गया है। शीघ्र ही वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद इन्हें भी कार्य कर रख लिया जाएगा।

लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने हड़ताल के कारण हटाए गए कनिष्ठ अभियंताओं की बहाली पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। महाराज ने कहा कि उन्होने इनकी बात को सुना और उन्हें पुनः सेवा का मौका दिया। उन्होंने कहा कि बहाल हुए संविदा कर्मियों को 8-10 वर्षों का अनुभव है। वर्षा के कारण पहाड़ों में जगह-जगह सड़कें बाधित हो रही है ऐसे में इनके अनुभवों का लाभ लिया जाएगा। वहीँ अपनी बहाली के बाद सभी कार्मिकों ने विभागीय मंत्री सतपाल महाराज को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उत्तराखंड सरकार का आभार जताया है।

राहुल सोनिया गाँधी के साथ देश की लाखों जनता : यशपाल आर्य

'लोकतंत्र बचाओ' नारे के साथ सड़कों पर उतरी पहाड़ की कांग्रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक हंगामा दिल्ली में चल रहा था तो दूसरा हंगामा देहरादून में दिखाई दे रहा था। वजह दोनों जगह एक ही थी और वो कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी नेशनल हेराल्ड केस में आज ईडी की पूछताछ का था जांच एजेंसी ईडी की ओर से सोनिया गांधी की पूछताछ के विरोध में देशभर के साथ उत्तराखंड के हर जिले में भी कांग्रेस की ओर से प्रदर्शन हुए जिसमें बड़ी संख्या में कोंग्रेसियों ने विरोध और नारेबाजी की।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि बलिदानी और स्वाभिमानी सोनिया गांधी महान लीडर इंदिरा गांधी की बहू हैं और वो इससे डरने वाली नहीं हैं. इस घड़ी में सभी कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं. उन्होंने कहा कि जिस तरह का काम भाजपा सरकार कर रही है, इसके विरोध में सभी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हैं.

सुबह कांग्रेस भवन पर जुटने के बाद तमाम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च की शुरुआत की. कांग्रेसी क्रॉस रोड स्थित ईडी कार्यालय के सामने पहुंचे और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया. इस दौरान कांग्रेसजनों ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को ईडी का समन भेजा गया है. उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है. वहीं, ईडी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया. कांग्रेस का नेताओं का कहना है कि देश में जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है और लोकतंत्र में विरोध कट करना सबका अधिकार है मगर सरकार इसे भी कुचल रही है.

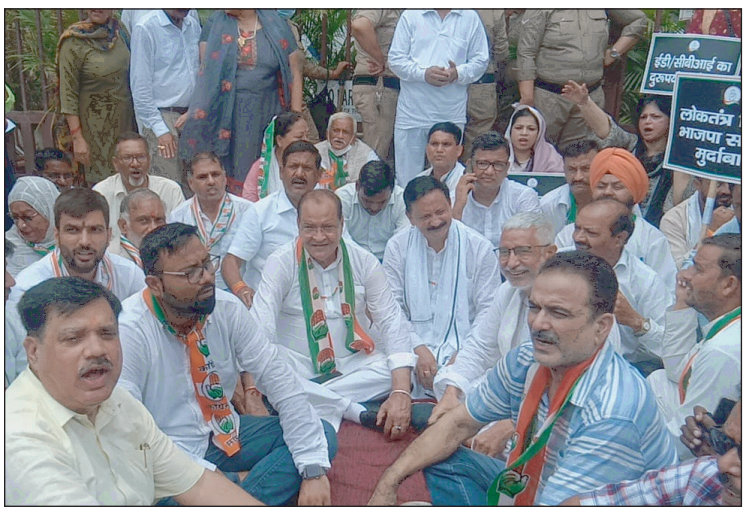

चांद और मंगल पर दौड़ेगी जापानी ट्रेन, धरती जैसी होगी सुविधा

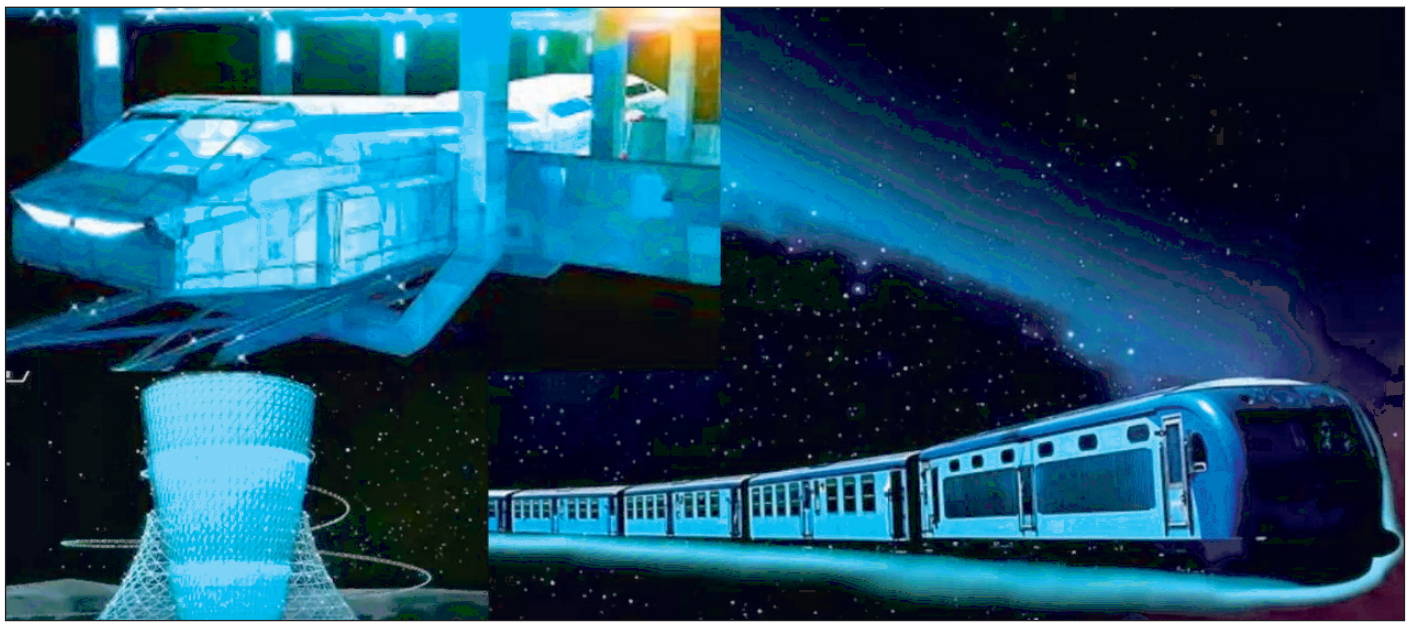

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जापान चांद और मंगल पर पृथ्वी जैसी रहने लायक पर्यावरण बनाने जा रहा है। इसके साथ ही पृथ्वी, चांद और मंगल को जोड़ने के लिए अंतर-ग्रहीय ट्रेनें भी चलाने वाला है। यह सुनने में अजीब लग रहा है, लेकिन यह सच है। इस प्रोजेक्ट के लिए जापान की क्योटो यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने काजिमा कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ गठबंधन किया है।

चांद और मंगल पर भी होगी पृथ्वी जैसी सुविधाएं

टीम ने जीरो और लो ग्रेविटी वातावरण में मानव मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम के कमजोर होने से रोकने के लिए पृथ्वी जैसी सुविधा वाली 'ग्लास' आवास संरचना विकसित करने के लिए इस योजना की घोषणा की। ग्लास में भी पृथ्वी जैसा पर्यावरण और ग्रेविटेशनल फोर्स होगा। इससे अंतरिक्ष में रहना आसान हो जाएगा। इस योजना के तहत ग्लास और अंतर-ग्रहीय ट्रेनों का प्रोटोटाइप बनाने में लगभग 30 साल लग जाएंगे।

क्योटो यूनिवर्सिटी और काजिमा कंस्ट्रक्शन कंपनी ने मिलकर एक अंतरिक्ष में रहने योग्य संरचना बनाने का लक्ष्य रखा है। इस कोनिकल संरचना का नाम 'ग्लास' है। ग्लास के अंदर बनावटी ग्रेविटेशन, ट्रांस्पोर्ट सिस्टम, पेड़-पौधे और पानी भी उपलब्ध होगी। पृथ्वी पर मौजूद सभी सुविधाओं को अंतरिक्ष में बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस संरचना को चांद पर 'लूनाग्लास' और मंगल पर 'मार्सग्लास' कहा जाएगा।

ट्रेनों में हेक्सागोनल आकार के कैप्सूल भी होंगे जिन्हें 'हेक्साकैप्सूल' कहा जाएगा और बीच में एक मुविंग डिवाइस भी होगी। दो तरह के कैप्सूल बनाए जाएंगे, एक पृथ्वी से चांद पर जाने के लिए और दूसरा पृथ्वी से मंगल पर जाने के लिए। चांद वाले कैप्सूल का रेडियस 15 मीटर होगा, वहीं मंगल पर जाने वाले कैप्सूल का रेडियस 30 मीटर होगा। यह कैप्सूल सफर के दैरान 1G ग्रेविटेशन बरकरार रखेगा। चांद पर मौजूद स्टेशन गेटवे उपग्रह का उपयोग करेगा और इसे चंद्र स्टेशन के रूप में जाना जाएगा, वहीं मंगल पर रेलवे स्टेशन को मंगल स्टेशन कहा जाएगा। यह मंगल ग्रह के उपग्रह फोबोस पर स्थित होगा। मानव अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र के मुताबिक पृथ्वी स्टेशन को टेरा स्टेशन कहा जाएगा।

खुशखबरी : जल्द देहरादून-चंडीगढ़ का सफर भी पूरा होगा मात्र 2 घंटे में

मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने एनएचएआई की बैठक में दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने एनएचएआई के अंतर्गत प्रदेश में बन रहे विभिन्न रोड प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। उन्होंने दिल्ली - देहरादून, मसूरी - पांवटा साहिब, नजीबाबाद - जसपुर, हरिद्वार - हल्द्वानी, हल्द्वानी - नगीना और देहरादून रिंग रोड सहित सहारनपुर बायपास, खटीमा बायपास और हरिद्वार बायपास, गदरपुर बायपास आदि प्रोजेक्ट्स की प्रगति की प्रोजेक्टवाइज जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत प्रोजेक्ट्स को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रोजेक्ट्स में सभी प्रकार के क्लीयरेंस समय से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने दिल्ली - देहरादून एक्सप्रेस वे सहित अन्य सभी प्रोजेक्ट्स में नेटवर्क उपलब्धता के दृष्टिगत सभी प्राविधान किए जाने की बात भी कही। साथ ही निर्माण सामग्री की कमी न हो इसके लिए खनन विभाग को भी निर्देश दिए कि एनएचएआई को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूर्ण हो सकें। उन्होंने कहा कि जिन प्रोजेक्ट्स में भूमि अधिग्रहण का कार्य होना है, उनमें तेजी लाते हुए भुगतान शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने एनएचएआई हाईवे के निकट देहरादून के आसपास लॉजिस्टिक पार्क विकसित किए जाने के भी निर्देश दिए, कहा कि लॉजिस्टिक पार्क हेतु भूमि शीघ्र चिन्हित कर कार्य प्रारंभ किया जाए। मुख्य सचिव ने एनएचएआई को देहरादून - चंडीगढ़ हेतु नए एलाइनमेंट पर भी कार्य किए जाने हेतु निर्देशित किया, कहा कि इससे देहरादून - चंडीगढ़ का सफर भी मात्र 2 घंटे का रह जाएगा। बैठक में बताया गया कि दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे का कार्य 3 पैकेज में होना है, पैकेज - 1, 2 अक्टूबर 2023 एवं पैकेज - 3 अप्रैल 2024 तक पूर्ण होना है। इसी प्रकार देहरादून - पांवटा प्रोजेक्ट में भूमि अधिग्रहण का कार्य गतिमान है, फॉरेस्ट क्लीयरेंस मिल गई है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द वर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, एनएचएआई से मनोज कुमार सहित अन्य सम्बन्धित उच्चाधिकारी भी उपस्थित थे।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू : जोत सिंह बिष्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर बधाइयां दी हैं। उन्होने कहा कि यह बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की खूबसूरती है, कि गांव के एक सामान्य परिवार की आदिवासी महिला जीवन में संघर्ष के अनेक पड़ाव से गुजरने के बाद आज भारत के सर्वोच्च पद पर विराजमान हुई हैं। उन्होने आगे कहा कि भारत की जनता अपने नवनियुक्त राष्ट्रपति से अपेक्षा करती है कि वह इस पद के सर्वोच्च मानदंडों पर खरा उतर कर के दिखाएगी और देश का नाम रौशन करेंगी, आप पार्टी द्रौपदी मुर्मू जी

को भारत की नई राष्ट्रपति बनने पर पुनः बधाई देती है।

यदि आप इस एक्सप्रेसवे पर धीमी गति के साथ-साथ तेज गति से वाहन चलाते हैं तो चालान काटा जाएगा

आमतौर पर माना जाता है कि बहुत तेज वाहन चलाने पर चालान कट जाता है। लेकिन आप यह बात जानकर हैरान रह जाएंगे कि देश में एक एक्सप्रेस वे ऐसा भी है, जिस पर अगर आप तेज गति से वाहन नहीं चलाएंगे तो आपका चालान कट जाएगा। यह चालान भी छोटा-मोटा नहीं होगा। इसके लिए आपको 500 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक चुकाने पड़ सकते हैं। यह रूल दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चलने वाले वाहनों पर लागू होगा। असल में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर चलने वाले वाहनों के लिए खास गति सीमा निर्धारित की गई है। यहां छोटे वाहनों के लिए 100 और बड़े वाहनों के लिए 80 किमी प्रति घंटा की सीमा निर्धारित की गई है।

जाने क्यों बनाना पड़ा ऐसा नियम असल में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चलने वाले वाहनों के लिए खास गति सीमा निर्धारित की गई है। यहां छोटे वाहनों के लिए 100 और बड़े वाहनों के लिए 80 किमी प्रति घंटा की सीमा निर्धारित की गई है। लेकिन एनएचआई का मानना है कि कुछ वाहन चालक इस नियम का पालन नहीं करते। इसके चलते ओवरटेकिंग के समय हादसे हो जाते हैं। एनएचआई अब इस बात का भी प्रचार-प्रसार करने की तैयारी में लगा है कि इस एक्सप्रेस वे पर चलते समय वाहन को निर्धारित गति में ही रखें। गौरतलब है कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे अभी पूरी तरह से बनकर तैयार नहीं हुआ है। हालांकि इस पर आवागमन चालू है। कई जगहों पर अभी भी निर्माण कार्य चल रहा है। इसके चलते इस हाईवे पर अक्सर जाम की स्थिति भी बनी रहती है।

वैक्सीनेशन अभियान के सफल संचालन पर डॉ0 धन सिंह रावत को मिली केंद्र की शाबाशी

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मिले कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत
- सूबे में स्वीकृत एम्स सेटेलाइट सेंटर के भूमि पूजन में किया आमंत्रित

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 मनसुख मंडाविया से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को प्रदेश के जनपद ऊधमसिंह नगर में स्वीकृत एम्स सेटेलाइट सेंटर के भूमि पूजन में आमंत्रित किया। डॉ0 रावत ने केन्द्रीय मंत्री को राज्य में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने एनएचएम के अंतर्गत राज्य को जारी रूपये 1129.35 करोड़ के बजट एवं निःशुल्क बूस्टर डोज उपलब्ध कराने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का आभार जताया। मुलाकात के दौरान केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में आयुष्मान योजना एवं वैक्सीनेशन अभियान के बेहत्तर संचालन के लिये डॉ0 रावत की जमकर सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि केरल दौरे से लौटते समय नई दिल्ली में आज केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 मनसुख मंडाविया से मुलाकात कर राज्य में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी दी। डॉ0 रावत ने बताया कि उन्होंने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को जनपद ऊधमसिंह नगर में स्वीकृत एम्स सेटेलाइट सेंटर के भूमि पूजन हेतु आमंत्रित किया, जिस हेतु उन्होंने अपनी सहमति प्रदान की। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि सूबे में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहत्तर क्रियान्वयन के लिये आगामी अगस्त माह में तीन दिवसीय स्वास्थ्य चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

मुलाकात के दौरान केन्द्रीय मंत्री को राज्य में संचालित टीबी मुक्त अभियान, अयुष्मान योजना के क्रियान्वयन, वैक्सीनेशन अभियान व राज्य के प्रत्येक जिला अस्पतालों में किडनी रोगियों के निःशुल्क डायलिसिस सहित उन्हें घर से लाने व पहुंचाने के लिये निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा की जानकारी दी। उन्होंने राज्य में बाल मृत्यु दर कम करने हेतु प्रत्येक जनपद में नर्सिंग स्टॉफ को प्रशिक्षण देने के लिये अलग से बजट की मांग की। जिस पर उन्होंने सकारात्मक रूख अपनाते हुये सभी केन्द्र पोषित योजनाओं में आवश्यकतानुसार धनराशि उपलब्ध कराये जाने की बात कही। इसके अलावा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में आयुष्मान योजना के बेहत्तर क्रियान्वयन एवं वैक्सीनेशन अभियान के सफल संचालन पर डॉ0 धन सिंह रावत की सराहना की।

नए टायरों में कांटे जैसी चीजें क्यों होती हैं? जानिए इस खबर में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मोटरसाइकिल के टायरों की बात हो या फिर गाड़ियों की या तक साइकिल के टायरों को यदि आपने कभी ध्यान से देखा होगा तो पाया होगा कि इनके ऊपर रबर से बने कई कांटे जैसे रेशे मौजूद होते हैं। जब भी देखें, हमेशा दुकानदारों से पूछें कि यह क्या है? कई दफा हम लोग इसे मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट यानी की मशीन बनते वक्त आई गई मामूली खराबी मानकर अनदेखा कर देते हैं. लेकिन हैरानी की बात यह है कि अगर कोई टायर खरीद रहा है तो यह डिजाइन में कोई खराबी नहीं है। दरअसल अगर उन टायरों में ये कांटे मौजूद हैं तो इसका मतलब है कि ये अच्छी क्वालिटी के हैं।

इसी कारण से अगली बार यदि आप ऐसा टायर खरीदते हैं तो इसका मतलब यह समझे की ये काफी फायदेमंद रहेगा । यह टायर योजना के तहत बनाया गया है। टायरों में रबर के कांटों को बनाने का एक काफी खास मकसद है , फिलहाल जानते हैं की इन्हें कहते क्या हैं और इसका प्रयोग क्या है? बता दे की वाहनों के टायरों पर बने इन रबर के कांटों को वेंट सपिउज कहा जाता है। जिसका मतलब है किसी भी वस्तु का बाहर की ओर निकले रहना। दरअसल इन्हे सड़क पर चलने वाले वाहनों के टायरों की काम करने की क्षमता को

बेहतर करने के लिए बनाया जाता है। सरल भाषा में समझें तो गाड़ी के चलने से टायर पर एक प्रकार का दबाव बनता है, इसी दबाव के प्रभाव को कम करने के लिए करा जाता है।

इन्हें बनाने वाली कंपनियां जब इन टायरों का निर्माण कर रही होती है तब रबर से बने इन पैने हिस्सों को टायर में लगाया जाता है. क्योंकि टायर के बनने के दौरान इनके अंदर बुलबुले बनने का डर रहता है और ऐसा होने पर टायर काफी कमजोर हो सकता है, यही कारण है कि इन्हें टायरों में लगाकर इसका खतरा कम करते हैं। अब अगली बार यदि आप भी टायर खरीदने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें की उनमे रबर के कांटे अवशय हों।

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर प्रदेश में आतिशबाजी के साथ मना जश्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर उत्तराखंड में भी जश्न मनाया गया। देहरादून भाजपा महानगर ने एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर आतिशबाजी कर जश्न मनाया। घोषणा होते ही भाजपाई बृहस्पतिवार को शाम महानगर कार्यालय में एकत्र हुए और ढोल बजाकर और आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरण किया।

कार्यकर्ताओं ने एक संघर्षशील आदिवासी महिला को देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। इसके बाद महानगर कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक भी हुई। महानगर मीडिया प्रभारी राजीव उनियाल ने बताया कि राज्य के सभी मंडल और बूथ स्तर के कार्यकर्ता आदिवासी और जनजाति बहुल क्षेत्रों में अगले एक सप्ताह तक हर्ष कार्यक्रम करेंगे।

इसी के साथ सभी भाजपा कार्यकर्ता आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत 13 से 15 अगस्त तक अपने और परिचितों के आवासों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे।

वहीं, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू की जीत पर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित मुर्मू का प्रेरणदायी जीवन जन कल्याण और राष्ट्र निर्माण की भावना से परिपर्ण रहा है। उन्होंने जिस निस्वार्थ भाव से खुद को देश व समाज की सेवा में समर्पित किया व वह सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

हरिद्वार में शहर से लेकर देहात तक भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। आतिशबाजी कर और दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने चंद्राचार्य चौक पर आतिशबाजी करने के बाद मिठाई बांटकर जश्न मनाया।

भाजपा के जिला महामंत्री विकास तिवारी ने कहा कि एनडीए की ओर से राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से हर तरफ खुशी का माहौल है। मंडल अध्यक्ष राजकुमार ने कहा कि भाजपा एक मात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें महिलाओं को सम्मान दिया जाता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए रात्रिभोज में शामिल होंगे। इस दौरान वे मुर्मू को राष्ट्रपति पद पर विजयी होने की शुभकामनाएं भी देंगे। उनका शुक्रवार से नई दिल्ली प्रवास का कार्यक्रम है। 24 जुलाई को प्रधानमंत्री भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों के बैठक लेंगे। इस बैठक में भी मुख्यमंत्री धामी शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिले महाराज, सड़क और रोप-वे परियोजनाओं पर हुई लम्बी चर्चा

मसूरी में स्वीकृत दो लेन टनल परियोजना में लोनिवि को कार्यदायी संस्था घोषित करने का अनुरोध

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से प्रदेश की अनेकों बड़ी परियोजनओं और निर्माण प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की। इस दौरान महाराज ने राज्य के विभिन्न राज्य मार्गों के उच्चीकरण कर राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पीएमसी के अंतर्गत मसूरी में स्वीकृत महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी दो लेन टनल परियोजना में राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखंड को कार्यदाई संस्था घोषित किए जाने और पर्वतमाला परियोजना के दिशानिर्देशों में राज्य सरकार के निवेश हिस्सेदारी की शर्त से छूट के साथ साथ परियोजना से प्राप्त आय में सुनिश्चित भाग प्रदान करने को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक पत्र भी सौंपा।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि राज्य के अधिकांश सड़क मार्ग अर्न्तराष्ट्रीय सीमाओं के सड़क मार्गों के लिए फीडर रोड का कार्य करती हैं तथा सामरिक दृष्टि से भी यह अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। राज्य के आर्थिक विकास, पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने तथा पलायन को रोकने के लिए सड़क मार्गों का निर्माण, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण तथा सुरंगों का निर्माण किया जाना आवश्यक है। उन्होने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से कहा कि राज्य के विभिन्न राज्य मार्गों को उच्चीकृत कर राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पी०एम०सी० के अन्तर्गत मसूरी में स्वीकृत, महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी दो लेन टनल परियोजना में राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड को कार्यदायी संस्था घोषित किया जाये।

उन्होने एन0एच0-09 के अंतर्गत पिथौरागढ़-अस्कोट मोटर मार्ग (2 किमी 81-50.00) को पेब्ड शोल्डर किये जाने, सितारगंज से टनकपुर तक के मार्ग को चार लेन में चौड़ीकरण किये जाने, नजीबाबाद से अफजलगढ़ तक नये ग्रीनफील्ड बाईपास का निर्माण एवं नये अधिसूचित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या -731 K के अन्तर्गत मझोला से खटीमा तक (13 किमी०) के चार लेन चौड़ीकरण किये जाने का भी केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री से अनुरोध किया।

सतपाल महाराज ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से भेंट कर उन्हें सौंपे एक अन्य पत्र के माध्यम से बताया कि उत्तराखण्ड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में रोप-वे एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने का सशक्त वैकल्पिक साधन सिद्ध हो सकता है। उन्होने बताया कि भारत सरकार की पर्वतमाला योजनान्तर्गत NHLML के साथ प्रदेश शासन द्वारा अनुबन्ध निष्पादित कर सात रोपवे परियोजनाओं की TEFS / DPR गठन की कार्यवाही विभिन्न चरणों में की जा रही है। उन्होने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य की वित्तीय स्थिति को मध्यनजर रखते हुये इस योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्माण में वित्त पोषण हिस्सेदारी की शर्त से प्रदेश को मुक्त रखा जाये, परियोजना से प्राप्त आय में से एक सुनिश्चित भाग राज्य को प्रदान करने के साथ-साथ दूसरे चरण की रोप-वे की प्रस्तावित परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन हेतु सम्बन्धित को आदेश दिये जायें।

इन 3 मसालों को पानी में उबाल कर पीने से पेट की चर्बी हो सकती है कम, जानिए कैसे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आपकी पसंदीदा जींस आपको फिट नहीं आ रही है और शर्ट के बटन लगाने के बाद भी बार-बार खुलते हुए महसूस होते हैं तो समझ जाइए कि आपका मोटापा बढ़ने लगा है। लॉकडाउन में वर्कफ्रॉम होम ने लोगों को मोटापा का सबसे ज्यादा शिकार बनाया है। मोटापा को कंट्रोल करना बेहद जरूरी है। अगर इसे कंट्रोल नहीं किया जाए तो हाई ब्लड प्रेशर, शुगर और थॉयराइड जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। मोटापा को कंट्रोल करने के लिए डाइट को कंट्रोल करना और वर्कआउट करना बेहद जरूरी है।मोटापा को कंट्रोल करने के लिए कुछ मसालों का इस्तोल बेहद असरदार साबित होता है। किचन में मौजूद मसाले ना सिर्फ हमारे खाने का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि हमारे वजन को भी कम करने में असरदार हैं। कुछ मसाले ऐसे हैं जिनका इस्तेमाल पानी में उबालकर किया जाए तो वो तेजी से पेट की चर्बी को कम कर सकते हैं।

जीरे का पानी करेगा फैट को कंट्रोल:

जीरा किचन में मौजूद एक ऐसा गर्म मसाला है जो हमारे ज्यादातर खाने में इस्तेमाल होता है। जीरा भारतीय करी में इस्तेमाल होने वाला एक उपयोगी मसाला है। जीरा का पानी लो-कैलोरी ड्रिंक है जो पाचन को बढ़ावा देता है और पेट की चर्बी को पिघलाने में मदद करता है। यह भूख को कम करता है और वजन को कंट्रोल करता है। जीरे का पानी वजन कम करने में अद्भुत काम करता है। इस ड्रिंक को बनाने के लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच जीरा डालकर रात भर के लिए छोड़ दें। इस ड्रिंक को छान लें और अगली सुबह इसे खाली पेट पीएं।

सौंफ का पानी पीएं:

सौंफ का पानी वजन को कम करने में बेहद असरदार साबित होता है। सौंफ का पानी सूजन को कम करता है और अपच से निजात दिलाता है। सौंफ का पानी बॉडी को डिटॉक्स करता है जो वजन को कम करने के लिए जरुरी है। सौंफ के बीज मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करते हैं। सौंफ का पानी बनाने के लिए एक चम्मच सौंफ के बीज को पानी में मिलाकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह छानकर पानी पी लें चर्बी तेजी से पिघलने लगेगी।

अजवायन का पानी पीएं:

अजवाइन का पानी चर्बी को कम करने में बेहद असरदार है। अजवाइन के बीज मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। अजवायन पाचन को दुरुस्त करता है और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण में मदद करता है। अजवायन का ड्रिंक बनाने के लिए दो चम्मच भुने हुए अजवायन के बीज को एक गिलास पानी में रात भर भिगो दें। मिश्रण को छान लें या बस इसे अच्छी तरह मिला लें और अगली सुबह इसका सेवन करें

पासपोर्ट इंडेक्स में जानें क्या है, भारत और पाकिस्तान की रैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पासपोर्ट का उपयोग किसी के नागरिकता के देश को सत्यापित करने के लिए किया जाता है। यदि आप अपने गृह देश से बाहर यात्रा कर रहे हैं, तो इसका उपयोग आपकी नागरिकता वाले देश में प्रवेश पाने के लिए किया जाता है। पासपोर्ट में आपकी फोटो, नाम, जन्म तिथि, लिंग और शारीरिक विशेषताएं शामिल होती हैं। अमेरिकी नागरिकों के लिए, कुछ देशों को केवल पुनः प्रवेश के लिए पासपोर्ट की आवश्यकता होती है।आप नहीं जानते लेकिन पासपोर्ट की भी एक रैंकिंग होती है, इस रैंकिंग का अपना मतलब होता है। यह रैंकिंग 'इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन' से लिए डेटा पर आधारित है जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैवल इन्फॉरमेशन के डेटाबेस को मेंटेन रखती है. 'हेनली पासपोर्ट इंडेक्स फॉर 2022' में दुनिया के सभी 199 पासपोर्ट की रैंकिंग है, जहां उनके धारक बिना किसी वीजा के जाने के लिए स्वतंत्र हैं.एक देश से दूसरे देश जाने के लिए पासपोर्ट बहुत जरूरी होता है. पासपोर्ट जितना पावरफुल होगा, उस देश के नागरिक उतने ज्यादा देश घूमने के लिए स्वतंत्र होंगे. लंदन की इमीग्रेशन कंसल्टेंसी 'हेनली एंड पार्टनर्स' ने साल 2022 के लिए पूरी दुनिया के पावरफुल पासपोर्ट की रैंकिंग जारी की है. इसमें भारत और पाकिस्तान समेत सभी 199 देशों के पावरफुल और कमजोर पासपोर्ट की जानकारी दी गई है.

'हेनली पासपोर्ट इंडेक्स फॉर 2022' में दुनिया के सभी 199 पासपोर्ट की रैंकिंग है, जहां उनके धारक बिना किसी वीजा के जाने के लिए स्वतंत्र हैं. यह रैंकिंग 'इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन' से लिए गए डेटा पर आधारित है जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैवल इन्फॉरमेशन के डेटाबेस को मेंटेन रखती है. पाकिस्तानी पासपोर्ट का बुरा हाल पावरफुल पासपोर्ट की इस रैंकिंग में पाकिस्तान के पासपोर्ट का हाल बहुत ही बुरा है. इंडेक्स में पाकिस्तान को 109वां स्थान प्राप्त हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी पासपोर्ट दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट है.

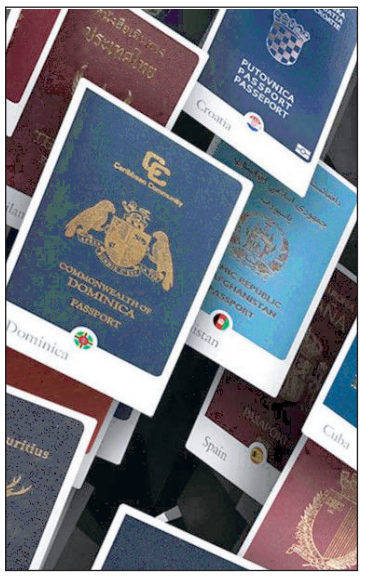

यह पासपोर्ट धारक को केवल 32 देशों में बिना वीजा के जाने की अनुमति देता है. पाकिस्तान का पासपोर्ट केवल सीरिया (30), ईराक (29) और अफगानिस्तान (27) से ही बेहतर है। इस मामले में भारत के नीले पासपोर्ट का हाल पाकिस्तानी पासपोर्ट के मुकाबले काफी बेहतर है. पासपोर्ट इंडेक्स में भारत को 87वां स्थान मिला है. भारतीय पासपोर्ट धारक दुनिया के 60 देशों में बिना वीजा के जा सकते हैं. इंडेक्स में मौरिटानिया और ताजिकिस्तान के पासपोर्ट को भी भारतीय पासपोर्ट जितना पावरफुल माना गया है. हालांकि भारत अपने पड़ोसी मुल्क चीन से काफी पीछे नजर आता है. इंडेक्स में चीन 69वें स्थान पर है और इसके पासपोर्ट धारक 80 देशों में बिना वीजा जाने के लिए स्वतंत्र हैं.टॉप 10 में इन देशों ने मारी बाजीइस लिस्ट में जापान को पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जो 193 देशों में बिना वीजा जाने की अनुमति देता है. इसके बाद सिंगापुर, दक्षिण कोरिया (192), जर्मनी, स्पेन (190), फिनलैंड, इटली, लग्जमबर्ग (189), ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, नीदरलैंड, स्वीडन (188) जैसे देशों के पास सबसे पावरफुल पासपोर्ट हैं.

संपादकीय

राष्ट्रपति चुनाव में कमजोर हुआ विपक्ष

राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के दौरान अनेक राज्यों में कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के विधायकों ने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट डाला है. पहले से विभाजित विपक्ष के लिए यह निश्चित ही एक झटका है. इसकी पृष्ठभूमि को ठीक से समझने के लिए हमें भाजपा और विपक्ष की रणनीतियों को देखना होगा. भाजपा ने बहुत सधे अंदाज में अपना दांव खेला, जबकि विपक्ष ने देर की. कुछ दशक पहले राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार का चयन बहुत पहले हो जाता था. संभावित नामों पर हर पहलू से विचार होता था और चयनित व्यक्ति को बता भी दिया जाता था कि उन्हें इसे अभी सार्वजनिक नहीं करना है, पर उन्हें तैयार रहना चाहिए. इस बार ममता बनर्जी ने बैठक बुलायी और विचार-विमर्श शुरू हुआ. पहले ऐसी बैठकें अंतिम प्रक्रिया होती थीं, जिनमें नाम की घोषणा होती थी. प्रारंभिक दौर में शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला और गोपाल कृष्ण गांधी के नाम आये, पर तीनों ने उम्मीदवार बनने से मना कर दिया. इससे संकेत गया कि कोई विपक्ष की ओर से खड़ा ही नहीं होना चाहता. आखिरकार यशवंत सिन्हा का नाम सामने आया. किसी को भी यह अंदाजा नहीं था कि द्रौपदी मुर्मू भाजपा की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होंगी. यह भी विपक्ष की एक विफलता है. आज सरकार में शामिल लोगों को पता है कि विपक्ष के भीतर क्या विचार-विमर्श चल रहा है, लेकिन विपक्ष को कोई भनक नहीं लग सकी. राजनीति में सामने खड़ी शक्ति के बारे में जानकारी रखना जरूरी होता है, तभी तो ठोस रणनीति बन सकेगी. भाजपा ने मुर्मू की उम्मीदवारी से बड़ा तीर मारा है. देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला का आसीन होना एक बहुत बड़ा संकेत है. पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के साथ हिंदी पट्टी और पश्चिमी भारत में यह तबका राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है. इनमें कई इलाकों में भाजपा का व्यापक वर्चस्व है. लेकिन स्वाभाविक रूप से दस साल की सत्ता के बाद कुछ एंटी-इनकंबेंसी तो होगी ही. उसकी भरपाई के लिए जनाधार में नये तबकों को लाना जरूरी है. इस संबंध में यह रणनीति अपनायी गयी. यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बहुत लंबे समय से आदिवासी समुदायों के बीच सक्रिय है. भाजपा की रणनीति का दूसरा पहलू था पूर्वी भारत में गैर-भाजपा सरकारों को कमजोर करना. भाजपा की नजरें दक्षिण भारत के साथ पूर्वी भारत पर भी हैं. पूर्वी भारत के तीन राज्यों- पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड- में आदिवासी समुदाय में संथाल जनजाति की बड़ी संख्या है. द्रौपदी मुर्मू इसी जनजाति से आती हैं. वे ओडिशा से भी हैं. बंगाल के संथाल बहुल इलाकों में ममता बनर्जी का बड़ा जनाधार है. वह पकड़ अब धीरे-धीरे कमजोर होगी. भाजपा ने आदिवासी समुदाय में आकांक्षा और आत्मविश्वास का संचार किया है. लोकतंत्र के लिए यह बड़ी बात है. जब मुर्मू का नाम सामने आया, तब ममता बनर्जी ने कहा कि अगर भाजपा इनके नाम पर सर्वसम्मति बनाने का प्रयास करती, तो विपक्ष मान जाता. बनर्जी के लिए मुर्मू का विरोध करना एक मुश्किल मामला था. ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुरू में ही कह दिया कि वे भाजपा उम्मीदवार का समर्थन करेंगे. झारखंड में भी सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा को द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करना पड़ा. महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे पर भी दबाव पड़ा. उत्तरी महाराष्ट्र में बड़ी तादाद में आदिवासी हैं. साथ ही, शिव सेना के अधिकतर सांसद भाजपा के साथ जाने के लिए इच्छुक थे. कुछ अन्य छोटी पार्टियों ने भी मुर्मू को समर्थन दे दिया. ऐसे में पहली बात तो यह साफ हो गयी कि विपक्ष में एकजुटता नहीं है. दूसरा, यह भी संकेत मिल गया कि यशवंत सिन्हा को समर्थन दे रही पार्टियों के आदिवासी विधायक मुर्मू के पक्ष में मतदान कर सकते हैं. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति चुनाव में राजनीतिक दल व्हिप जारी नहीं कर सकते और सांसदों तथा विधायकों को अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वोट डालने की अनुमति होती है. लेकिन आदिवासी विधायकों के अलावा भी विपक्ष के कुछ वोट मुर्मू को मिले हैं. इस मतदान से वे विधायक अपनी पार्टी के प्रति नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. इस चुनाव में विपक्ष 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर अपनी एकता को विस्तार दे सकता था. भले ही मजबूत एकता के बाद भी यशवंत सिन्हा या विपक्ष का कोई उम्मीदवार जीत नहीं पाता, लेकिन भाजपा उम्मीदवार को अच्छी टक्कर दे सकते थे. विपक्ष यह तो देश की जनता को दिखा ही सकता था कि उसमें एकताबद्ध होने की क्षमता व संभावना है.

श्रीलंका में महंगाई से बुरा हाल, आसमान पर पहुंचे काजू सेब के भाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीलंका में कई चीजों का स्टॉक भी लगभग खत्म होने की कगार पर है. ये वो सामान है जो विदेशों से आयात होकर श्रीलंका में पहुंचता है और क्योंकि अब श्रीलंका के पास विदेशी मुद्रा भंडार कम है ऐसे में सामान आयात भी नहीं हो पा रहा और उसका असर अब बाजारों पर दिख रहा है. श्रीलंका में खाने की सभी चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं. इसके अलावा देश में कई ऐसी जरूरी चीजें हैं, जिनकी किल्लत हो रही है.

श्रीलंका में आर्थिक और सियासी संकट की मार सीधे जनता पर पड़ रही है. आलम ये है कि कई जरूरी चीजों की कीमत आसमान छू रही है और लोग भुखमरी का शिकार होने लगे हैं. बताया गया है कि श्रीलंका में फलों और सब्जियों के दाम इतने बढ़ चुके हैं कि किसी आम इंसान का इन्हें खरीदना लगभग नामुमकिन सा हो चुका है. देश में सेब के दाम 1600 रुपये किलो से ज्यादा हो चुके हैं, वहीं इसी तरह बाकी के फलों के दाम भी काफी ज्यादा है.

श्रीलंका में खाने की सभी चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं. इसके अलावा देश में कई ऐसी जरूरी चीजें हैं, जिनकी किल्लत हो रही है. पैसे की तंगी के चलते देश में चीजें खत्म हो रही हैं और जो कुछ बचा है, उसे खरीदना हर किसी के बस में नहीं है. आइए बताते हैं कि श्रीलंका में फलों के दाम कैसे बढ़े हैं. एक किलो सेब की कीमत 1500 से 1600 रुपये हो चुकी है, जो जनवरी में 350 रुपये प्रति किलो थी. अगर श्रीलंका में कोई अमरूद खरीदना चाहे तो उसे एक किलो के लिए 600 रुपये खर्च करने होंगे. जनवरी में ये 300 रुपये था. आम का सीजन चल रहा है, लेकिन श्रीलंका के आम लोगों की पहुंच से ये काफी दूर हो चुका है. क्योंकि अभी यहां आम की कीमत 600 रुपये प्रति किलो है. केला जो कि आमतौर पर 50 से 100 रुपये दर्जन मिलता है, उसके लिए श्रीलंका में अभी आपको 300 रुपये खर्च करने पड़ेंगे. हालांकि जनवरी में भी यही कीमत थी. अगर आप संतरा खरीदना चाहते हैं तो श्रीलंका में इसके लिए 1500 रुपये खर्च करने होंगे. जनवरी में यहां एक किलो संतरे की कीमत 350 रुपये थी. श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच नारियल की कीमत की बात करें तो ये 150 रुपये पहुंच चुकी है. ये कीमत जनवरी के महीने में 70 रुपये थी. स्ट्रॉबेरी की कीमत श्रीलंका में अब 775 रुपये तक पहुंच चुकी है. जनवरी के महीने में यहां स्ट्रॉबेरी 500 रुपये किलो थी. लेकिन अब लगातार कीमत बढ़ रही है.

खाने की चीजों की अगर बात करें तो पास्ता का स्टॉक खत्म हो चुका है. वहीं कॉर्नफ्लेक्स 500 रुपये, केचअप 450 रुपये प्रति 300 ग्राम, न्यूट्रेला 4500 रुपये किलो, काजू 6 हजार रुपये किलो, बटर की कीमत 1300 रुपये प्रति 100 ग्राम, चीज 1500 रुपये प्रति 100 ग्राम हो चुका है. इसी तरह बाकी सामानों की कीमतें भी कई गुना बढ़ चुकी हैं.

देहरादून में 25 जुलाई से दौड़ेगी इलेक्ट्रिक बसें, जानिए पूरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून स्मार्ट सिटी सिर्फ नाम से ही नहीं काम से भी है। स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत हाल ही में आई 5 इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल शुरू कर दिया गया है। बता दें कि ये इलेक्ट्रिक बसें देहरादून आईएसबीटी से जौलीग्रांट एयरपोर्ट के बीच संचालित की जाएगी। इन इलेक्ट्रिक बसों में शानदार विशेषताएं हैं जैसे कि ये बसें पूरी एयर कंडीशनर है, साथ-साथ इसमें जीपीएस सिस्टम भी हैं। यह 25 सीटर बस है और यात्रियों के लिए काफी आरामदायक तथा सुविधाजनक है। गौरतलब इस बस का किराया 5 गुना अधिक रखा गया है। जहां आईएसबीटी से जौली ग्रांट एयरपोर्ट जाने के लिए नॉर्मल बस का किराया 30 से 35 रुपए हैं, वही इन इलेक्ट्रिक बसों का किराया ₹200 तय किया गया है।

वही अधिक किराए को लेकर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का कहना है कि नई इलेक्ट्रिक बसें पूरी तरह हाईटेक है ,बस में फुल एसी होने के साथ ही अन्य कई सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी । आईएसबीटी से जौलीग्रांट एयरपोर्ट तक यात्री टैक्सी बुक करने का 1000 रुपये तक किराया दे रहे हैं। ऐसे में उनके लिए इलेक्ट्रिक बसों का किराया बेहद कम है। इलेक्ट्रिक बसों का एक अन्य रूट और तैयार किया गया है। इस रूट का किराया भी 200 रुपये ही रखा गया है। इस रूट पर बस सहस्त्रधारा से जौलीग्रांट तथा जौलीग्रांट से वापस देहरादून आईएसबीटी तक आएगी। 10 दिन के ट्रायल के बाद 25 जुलाई के तक इन बसों को संचालित कर दिया जाएगा।

कलकत्ता उच्च न्यायालय का ये बड़ा फैसला : पुलिस किसी भी व्यक्ति के ड्राइविंग लाइसेंस को अयोग्य नहीं ठहरा सकता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 19 जुलाई को पारित आदेश में कहा ₹मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के प्रावधान बताते हैं कि केवल एक लाइसेंसिंग प्राधिकरण ही किसी व्यक्ति को ड्राइविंग लाइसेंस रखने या प्राप्त करने से अयोग्य घोषित कर सकता है या ऐसे लाइसेंस को रद्द कर सकता है। लाइसेंसिंग प्राधिकरण को धारा 2(20) में परिभाषित किया गया है और इसमें लाइसेंस जारी करने के लिए अधिकृत प्राधिकरण के अलावा कोई अन्य प्राधिकरण शामिल नहीं है। धारा 206, धारा 19 के तहत लाइसेंसिंग प्राधिकारी की अयोग्यता या निरस्त करने की शक्ति को संदर्भित करता है और एक दस्तावेज को जब्त करने के लिए एक पुलिस अधिकारी की शक्ति को सीमित करता है; यह केवल ड्राइविंग लाइसेंस को जब्त करने और अयोग्यता या निरसन के लिए लाइसेंसिंग प्राधिकरण को अग्रेषित करने के लिए पुलिस की शक्ति को सीमित करता है।

राज्य सरकार ने 23 नवंबर, 2016 को जारी एक अधिसूचना पर भरोसा किया, जिसमें पुलिस उपायुक्त (यातायात) और जिलों के पुलिस अधीक्षक को धारा 19 के तहत उल्लंघन करने वाले ड्राइवरों को अयोग्य घोषित करने या उनके लाइसेंस रद्द करने का अधिकार दिया गया था। अधिनियम के अध्याय VIII के तहत यातायात के प्रभावी नियंत्रण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवश्यक पाया गया।

हालांकि यह अधिसूचना अधिनियम की धारा 19 को संदर्भित करती है, लेकिन यह सुझाव देने के लिए कोई सबूत नहीं था कि पुलिस को दिए गए प्राधिकरण को दर्शाने के लिए पश्चिम बंगाल मोटर वाहन नियम, 1989 के प्रासंगिक प्रावधानों में संशोधन किया गया था। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने आगे कहा कि वर्तमान मामले में अधिसूचना अधिनियम में उल्लेखित प्राधिकरण की लाइसेंस जब्त करने की शक्तियों के बारे में भ्रम पैदा करती है।

अदालत को याचिकाकर्ता द्वारा 20 मई, 2022 को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), कोलकाता द्वारा ओवर स्पीडिंग के लिए उसके लाइसेंस के निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका पर जब्त कर लिया गया था। पुलिस ने उसके लाइसेंस को इस आधार पर निलंबित कर दिया कि वह 30 किमी प्रति घंटे की गति वाली सड़क पर 60 किमी प्रति घंटे की गति से गाड़ी चला रही

थी।हालांकि, अदालत ने कहा कि चूंकि यह निष्कर्ष निकला है कि पुलिस के पास किसी व्यक्ति के लाइसेंस को निलंबित करने की शक्ति नहीं है, इसलिए उसने एसीपी, कोलकाता द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया, जिसने याचिकाकर्ता के लाइसेंस को निलंबित कर दिया था। न्यायाधीश ने, हालांकि, याचिकाकर्ता के बहाने को स्वीकारने से इनकार कर दिया कि उसने गति सीमा का उल्लंघन किया क्योंकि उसे अपनी नौ महीने की बच्ची की जांच करनी थी, जो घर में अकेली थी और अस्वस्थ थी।अंत में, न्यायाधीश ने कहा, ₹याचिकाकर्ता ने ओवर स्पीडिंग को स्वीकार किया है और आक्षेपित आदेश की तारीख से लगभग 2 महीने बाद इस न्यायालय के समक्ष भी आया है। ओवर स्पीडिंग का बहाना बिल्कुल भी आधार नहीं है क्योंकि याचिकाकर्ता के पास पर्याप्त इको होना चाहिए। -सिस्टम जगह पर हो और सड़क पर अन्य यात्रियों के लिए जोखिम न बने।

यूरिक एसिड से परेशान हैं तो घबराएं नहीं, बस ये एक चीज खाना शुरू कर दें, फिर देखें यूरिक एसिड कैसे कंट्रोल में आता है

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि यूरिक एसिड क्या होता है इसलिए इस खबर में हम आपको यूरिक एसिड के बारे में बताएंगे। यूरिक एसिड क्या है? अगर आपके शरीर की मांसपेशियों में सूजन है और आप सर्दी का बहाना बनाकर इसे नजरअंदाज कर देते हैं तो सावधान रहें, इसे बढ़ा हुआ एसिड लेवल कहते हैं।

यह हड्डियों के बीच में जमा हो जाता है और इससे गठिया की समस्या हो जाती है। यूरिक एसिड के बढ़ने से शरीर की मांसपेशियों में सूजन आ जाती है, जिससे दर्द होता है और यह दर्द शरीर के किसी भी हिस्से (खासकर टखने, कमर, गर्दन, घुटने आदि) में हो सकता है।बहुत से लोगों को यह भी नहीं पता होता है कि उनके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने से कई स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं।. ऐसा तब होता है जब किडनी यूरिक एसिड को ठीक से फिल्टर नहीं कर

पाती है।यह जोड़ों में क्रिस्टल के रूप में भी जमा हो जाता है। जिससे जोड़ों में दर्द और पैरों में सूजन आने लगती है। अगर शरीर में प्यूरीन का सही से पाचन नहीं होता है तो यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है। इसे कम करने के लिए खान-पान में बदलाव किया जाता

है। अखरोट एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो यूरिक एसिड को कम कर सकता है। आइए जानें, यूरिक एसिड को कम करने के लिए अखरोट का सेवन कैसे करें।

अखरोट यूरिक एसिड के स्तर को कम करने के लिए ओमेगा-3 से भरपूर होता है।. साथ ही इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के साथ विटामिन बी6, कॉपर, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व और मिनरल्स भी होते हैं। अखरोट में अच्छी मात्रा में स्वस्थ प्रोटीन भी होते हैं जो यूरिक एसिड के कारण होने वाले गठिया को कम करते हैं, जो घुटनों में बनने वाले यूरिक एसिड क्रिस्टल को कम करने में भी सहायक होता है। इस कारण से यूरिक एसिड डाइट में शामिल करने के लिए अखरोट एक अच्छा भोजन है।रोजाना 2 से 3 अखरोट खाने से आपको यूरिक एसिड कम करने में मदद मिलेगी। आप अखरोट को सलाद में मिलाकर खा सकते हैं, शेक में इस्तेमाल कर सकते हैं, अखरोट को भिगोकर खा सकते हैं या बस उन्हें चबा सकते हैं।अखरोट खाने पर यूरिक एसिड तो कम होता है ही, साथ ही यह शरीर को और भी कई फायदे देता है. इसके सेवन से दिल की सेहत अच्छी रहती है, दिमाग तेज होता है, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी बढ़ती है, तनाव कम होता है और यह वजन घटाने में भी बेहद असरदार है.

इसलिए कहा जाता है कि 12वीं कक्षा में अच्छे से पढ़ाई करें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हर मां-बाप कहते हैं कि 12वीं में अच्छे नंबर आने से जिंदगी बेहतर हो जाती है। इस खबर में जानिए ऐसा क्यों कहा जाता है। भारतीय बच्चों के रूप में, हम सभी को बोर्ड परीक्षा से डरने के लिए कहा गया है। हमारे माता-पिता से लेकर हमारे शिक्षकों तक, सभी ने हमें 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा स्कोर न करने के परिणामों के बारे में चेतावनी देकर हमें डरा दिया। हालाँकि, जब हम बड़े होते हैं और वास्तव में काम करना शुरू करते हैं, तो हमें पता चलता है कि यह कोई बड़ी बात नहीं थी। या यह है? इंजीनियरिंग के छात्र का कहना है कि 12वीं के अंकों ने बर्बाद किया नौकरी के अवसर एक इंजीनियरिंग छात्र ने रेडिट पर बात की और कहा कि कैसे कंपनियां उसे साक्षात्कार के लिए नहीं बुला रही हैं क्योंकि उसने अपनी 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में कम अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने लिखा, 'दुर्भाग्य से 12वीं कक्षा के अंक काफी महत्वपूर्ण हैं। मेरी गलती से सीखो। यह वास्तव में एक शेख़ी नहीं है, बस कुछ ऐसा है जो मैं अपने बारे में साझा कर रहा हूँ। मैं इसे छोटा रखने की कोशिश करूंगा।

₹मैं वर्तमान में बीटेक आईटी के अंतिम वर्ष में हूं, मैं तीसरी कक्षा के कॉलेज से बीटेक कर रहा हूं ... 12 में मेरा

प्रतिशत 54% था। इंटर्न की तलाश में मेरे कॉलेज में कई कंपनियां आईं, उनके पास पात्रता मानदंड हैं यानी 10वीं और 12वीं कक्षा में 60% से अधिक, और बिना किसी बैकलॉग के इंजीनियरिंग में 70% से अधिक। मेरी 10वीं में 85 फीसदी और इंजीनियरिंग में 75 फीसदी है।₹उन्होंने आगे कहा कि कैसे उन्हें साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया जाता है क्योंकि उन्होंने अपनी बोर्ड परीक्षा में 54% अंक प्राप्त किए हैं। ₹अगर मैं लिंक्डइन पर इंटर्न की तलाश करता हूं, तो भी अगर मैं अपने 12 वीं कक्षा के प्रतिशत का खुलासा करता हूं, तो वे मेरा साक्षात्कार नहीं लेंगे,₹ उन्होंने उल्लेख किया।अंत में, उन्होंने कहा कि उन्हें कैसे जलन होती है कि उनके सहपाठियों को एक साक्षात्कार में भी खारिज कर दिया जा सकता है और उन्हें एक के लिए भी नहीं बुलाया जाता है।

इस पोस्ट को इंटरनेट पर कई प्रतिक्रियाएं मिलीं। इससे यह बहस छिड़ गई कि 12वीं की बोर्ड परीक्षा के अंक और भी महत्वपूर्ण हैं या नहीं। एक रेडिट यूजर ने लिखा, 'मेरे भाई को 10वीं में भी यही समस्या थी, उसके पास कम अंक थे। अब वह लगभग 20lpa के साथ एक शीर्ष MNC में काम करता है। बी टेक में, उन्हें लगा कि उन्हें यह नौकरी कभी नहीं मिलेगी। अब वह हमारे क्षेत्र और परिवार के सभी बी टेक छात्रों के लिए गुरु हैं (इसलिए नहीं कि 20 एलपीए बड़ा है, बल्कि इसलिए कि हर कोई जानता है कि वह कहां थे और अब कहां हैं। बस अपना सर्वश्रेष्ठ दें।₹ एक अन्य व्यक्ति ने कहा, "आप किस क्षेत्र में हैं? मेरी राय में, इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। मेरे पास भयानक ग्रेड के साथ बी.कॉम है, और टेक में काम करता हूं और किसी भी कंपनी ने इसे एक समस्या के रूप में नहीं देखा है। एक ऐसी कंपनी ढूंढना सबसे अच्छा होगा जो आपके अंकों की परवाह किए बिना आपको काम पर रखे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा